ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-२
दिनांक-शुक्रवार,४ जनवरी,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २२.५ एवं ५.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८३ सुबह में एवं दोपहर में ४४ प्रतिशत, हवा की औसत गति १.१ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.५ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ४.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ६.४ एवं दोपहर में १६.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा, रात्री एवं सुबह में कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(५ से ६ जनवरी, २०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ५ से ६ जनवरी, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम गरज वाले बादल बन सकते है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ७ जनवरी के आस-पास पश्चिमी तथा पूर्वी चम्पारण, गोपालगंज, सारण, सीवान एवं मुजफ्फपुर जिलों के कुछ हिस्सों में हल्की वर्षा या बूंदा-बूंदी हो सकती है। उत्तर बिहार के अन्य जिलों में कुछ स्थानों पर बूंदा-बूंदी होने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २० से २२ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ५ से ७ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है। सुबह में कुहासा रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ४ से ५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से ५ से ७ जनवरी में पूरवा हवा तथा उसके बाद पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई खेत में खड़ी फसलों में सिंचाई फिलहाल स्थगित रखें। कीटनाशक एवं फफून्दनाशक दवा का छिड़काव मौसम साफ रहने पर हीं करें।
- नवम्बर माह के शुरु में बोयी गई मक्का की फसल जो ५० से ६० दिनों की अवस्था में है। इन फसलों में ५० किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार कर मिट्टी चढ़ावें एवं सिंचाई वर्षा नहीं होने की स्थिति में करें।
- बिलम्ब से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो २१ से २५ दिनों की हो गयी हो उसमें सिंचाई कर ३० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। गेहूँ की बुआई के ३० से ३५ दिनों के बाद खेत में उगे विभिन्न प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रन हेतु सल्फोसल्फयुरॉन ३३ ग्राम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन २० ग्राम प्रति हेक्टर दवा ५०० लीटर पानी में मिलाकर समान रुप से फसल में छिड़काव करें। समय से बोयी गई गेहूँ की ४५ से ५० दिनों की फसल जो कल्ले निकलने की अवस्था में है, उसमें दूसरी सिंचाई करें।
- आलू में झुलसा रोग की निगरानी करें। इस रोग में फसलों की पत्तियों के किनारे व शिरे से झुलसना प्रारंभ होती है जिसके कारण पुरा पौधा झुलस जाता है। इस रोग के लक्षण दिखने पर २.५ ग्राम डाई-इथेन एम० ४५ फफूँदनाशक दवा का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर समान रुप से फसल पर छिड़काव करें।
- सब्जियों वाली फसल में निकाई-गुड़ाई करें। अगात बोयी गयी मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें। इस रोग में पत्तीयों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है। इस रोग से वचाव के लिए फसल में कैराथेन दवा का १.० मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का ३ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- चने की फसल में फलीछेदक कीट के नियंत्रण हेतु फिरोमोन प्रपंश @ ३-४ प्रपंस प्रति एकर की दर से उन खेतों में लगायें। जहाँ पौधों में १५-२० प्रतिशत फूल खिले हों। T अक्षर आकार के पक्षी बसेरा खेत के विभिन्न स्थानों में लगायें। यदि कीट अधिक हो तो बी.टी. नियमन का छिड़काव करे।
- अरहर की फसल जिसमें ५० प्रतिशत फूल आ गया हो उसमें फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा १.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- दूधारु पशुओं के रख-रखाव पर विशेष ध्यान दें। इनमें दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रुप से ५० ग्राम नमक, ५० से १०० ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु एवं दाना खिलावें।

आज का अधिकतम तापमानः २१.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.४ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः ५.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.२ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी